'स्वच्छ भारत' अभियान के नाम पर मोदी सरकार ने विशेष टैक्स द्वारा हजारों करोड़ वसूला

तीन वर्ष पूर्व इसी भारत को खुले में शौच से 'मुक्त' कर दिया था

फरीदाबाद (म.मो.) स्वच्छता टैक्स के द्वारा जनता से भारी-भरकम लूट के बावजूद यहां कहीं भी सफ़ाई नजर नहीं आती। शौचालयों के आभाव में गरीब जनता को मजबूरन खुले में शौच के लिये जाना पड़ता है। महिलाओं के लिये तो यह प्रक्रिया कई बार बहुत ही घातक सिद्ध होती है। शौचालय बनाने के नाम पर इस शहर में भी करोड़ों रुपये के चल व अचल शौचालय बनाये गये थे। इस काम के लिये स्मार्ट सिटी फंड का भी इस्तेमाल खूब जमकर किया गया।

इस काम के लिये राजनेताओं के भाई-भतीजों एवं लगुओं-भगुओं को अच्छे मोटे-मोटे ठेके दिये गये। इसके बदले ठेकेदारों ने रकमें तो मोटी-मोटी वसूल कर ली लेकिन शौचालय कहीं नजर नहीं आ रहे और जो नजर आ भी रहे हैं वे किसी काम के नहीं। सबके सब कबाड़ा बने पड़े हैं। एनएच पांच स्थित सेंट जोसेफ स्कूल के लगभग सामने पांच शौचालयों का एक स्थाई सेट तैयार किया गया था। करीब दो साल पूर्व यानी कि उसके तैयार होने के तुरन्त बाद 'मज़दूर मोर्चा' ने इसकी दुर्दशा का सचित्र विवरण प्रकाशित किया था। इसी तरह कई स्थानों पर खड़े किये गये चल शौचालय अब कहीं खड़े करने लायक भी नहीं रह गये हैं।

पूरी तरह से अपनी साख खो चुके नगर निगम को चुस्त-दुरूस्त करने की बजाय खट्टर सरकार ने हजारों-करोड़ रुपया खर्च करने का काम स्मार्ट सिटी कम्पनी लिमिटेड को सौंप दिया। यह कम्पनी नगर निगम से भी अधिक भ्रष्ट एवं निकृष्ट साबित हुई। शौचालयों का कारोबार शुरू-शुरू में इसी कम्पनी को सौंपा गया था लेकिन जब इसकी भी पोल खुल गई तो सरकार ने यह धंधा नगर निगम के हवाले कर दिया। पैसे खाने के सिवाय स्मार्ट सिटी कम्पनी ने कुछ नहीं किया था और अब नगर निगम भी कुछ करने वाला नहीं है। हां, शायद इसके माध्यम से कुछ बचा-खुचा माल इनके हिस्से भी आ जाय।

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।
2. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
3. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।
4. जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207
5. मोती पाहुजा - मिनार गेट पलवल, 9255029919
6. सुरेन्द्र बघेल - बस अड्डा होडल - 9991742421

'क्रांतिकारी मज़दूर मोर्चा' का निश्चय

आज़ाद नगर की गुड़िया को न्याय मिलने तक आंदोलन ज़ारी रहेगा

फ़रीदाबाद (म.मो.)फरीदाबाद की मज़दूर बस्ती, आज़ाद नगर की गुड़िया को न्याय दिलाने की तहरीक़, 11/12 अगस्त की रात, उसके साथ हुई वहशी बर्बरता और उसकी जघन्य हत्या के बाद से ही लगातार ज़ारी है. उसी कड़ी में, शहीद-ए-आज़म भगतसिंह के जन्म दिन, 28 सितम्बर को सेक्टर 12 स्थित लघु सचिवालय पर एक मोर्चा, प्रदर्शन और नारे-बाज़ी के साथ सभा हुई थी. न्याय की मांग करते हुए, डी सी की मार्फ़त, मुख्यमंत्री हरियाणा को एक ज्ञापन दिया गया था. उसी सभा के दौरान डी सी कार्यालय से एक संदेशा प्राप्त हुआ था, कि आप धरने-प्रदर्शन तो करते ही रहते हैं, कभी साहब से रूबरू भी तो मिलिए. इससे उन्हें सही अंदाज़ हो जाएगा कि करना क्या है?

उस सलाह को सम्मान देते हुए, 'क्रांतिकारी मज़दूर मोर्चा, फरीदाबाद, का प्रतिनिधि मंडल, 20 अक्तूबर को श्री विक्रम सिंह, डी सी, फ़रीदाबाद से मिला. उन्हें आज़ाद नगर की समस्याओं के बारे में तफ्शील से बताया और फरीदाबाद प्रशासन को तत्काल क्या करना चाहिए, ये समझाया. साथ ही, उनसे अनुरोध किया कि वे स्वयं आज़ाद नगर का दौरा करें जिससे फाइलों के बाहर की हकीक़त मालूम पड़े. डी सी महोदय ने अच्छी तरह सारी बातें सुनीं, और ये माना कि आज़ाद नगर की गुड़िया के साथ जो हुआ, वह बहुत जघन्य है, शर्मसार करने वाला है. साथ ही, ये भी स्वीकार किया, कि उसके बाद भी वहाँ शौचालय नहीं बना और आज भी लोग शौच के लिए रेल पटरियों के किनारे जाने को मज़बूर हैं, ये शर्मनाक है. इससे भी पीड़ादायक हक़ीक़त, जो उन्हें मालूम नहीं थी और आज मालूम पड़ी, वह ये है कि 'चन्द्रिका प्रसाद स्मारक सार्वजनिक केंद्र' में सार्वजनिक शौचालय मौजूद है, जो दक्षिण हरियाणा बिजली निगम द्वारा बिजली काट दिए जाने और वहाँ कार्यरत मज़दूर को वेतन ना दिए जाने के कारण बंद पड़ा है!!

ऐसी दर्दनाक घटना हो जाने और लोगों के बार-बार वहाँ आकर चिल्लाने के बावजूद भी, वह शौचालय शुरू कराने की ज़रूरत फरीदाबाद नगर निगम को महसूस नहीं हुई!! डी सी महोदय ने, अपने स्टाफ को उसी वक़्त, हमारे सामने हिदायत दी कि इस सम्बन्ध में एक कड़क पत्र फरीदाबाद नगर निगम को लिखा जाए. हमारे ज्ञापन के साथ, उस पत्र की प्रति भी माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा को भेजी जाए. डी सी की मार्फ़त, मुख्यमंत्री हरियाणा को दिए गए ज्ञापन को तत्काल रजिस्टर किया गया. उसका डायरी नंबर 2425277/ 20.10.2022 है. इसके बाद, 'क्रांतिकारी मज़दूर मोर्चा, फरीदाबाद' की टीम, श्री जितेंदर दहिया, निगमायुक्त, फरीदाबाद नगर निगम को, व्यक्तिगत तौर पर परिस्थिति की गंभीरता को समझाने और उनकी मार्फ़त मुख्यमंत्री हरियाणा को ज्ञापन देने, उनके दफ्तर पहुंची.

निगमायुक्त सरकारी काम से दौरे पर थे. इसलिए, श्री बी के कर्दम, मुख्य इंजीनियर, नगर निगम फ़रीदाबाद, को विस्तार से मसले की गंभीरता को समझाया गया, और उन्हें डी सी महोदय की भावनाओं से अवगत कराया गया. उन्होंने तत्काल एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, श्री पद्म भूषण को फोन लगाकर कहा कि कल के कल, अर्थात 21.10.2022 तक, बंद पड़ा शौचालय शुरू होना चाहिए.

एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ने उन्हें बताया कि उस शौचालय की सम्पूर्ण मरम्मत का रु 10 लाख का टेंडर हुआ था. उसकी आखिरी तारीख 19.10.2022 थी, लेकिन किसी भी ठेकेदार ने वो टेंडर नहीं भरा. उन्होंने भरोसा दिलाया कि पहली प्राथमिकता पर उस टेंडर को और आसान शर्तों के साथ दोबारा ज़ारी किया जाएगा. वर्त्तमान शौचालय की मरम्मत जल्दी से जल्दी पूरी की जाएगी और उसके आलावा एक नया सार्वजनिक शौचालय भी प्राथमिकता पर बनाया जाएगा.

साथ ही उन्हें क्रांतिकारी मज़दूर मोर्चा टीम द्वारा नोट कराया गया कि सेक्टर 24 में मौजूद, 'चन्द्रिका प्रसाद स्मारक सामुदायिक केंद्र' खँडहर जैसा हो गया है. बस्ती में कोई भी सरकारी स्कूल ना होने के कारण कुछ सामाजिक सरोकार रखने वाले लोग वहाँ मज़दूरों के बच्चों को निशुल्क पढ़ाते हैं. ईमारत ज़र्ज़र होने के कारण वहाँ, कभी भी, कोई गंभीर हादसा घट सकता है. मुख्य इंजीनियर ने इस कार्य को भी जल्दी कराने का आश्वासन दिया. निगमायुक्त से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उन्हें 21 अक्टूबर को ज्ञापन सौंपा जाएगा. हमारी मांगें-

1) पीड़ित परिवार अनुसूचित जाति से है. उन्हें निर्धारित आर्थिक मदद रु 10 लाख तत्काल दी जाए.

2) आज़ाद नगर सेक्टर 24 में मौजूद शौचालय की बिल्डिंग की आवश्यक मरम्मत कर वहाँ सुलभ शौचालय को तत्काल शुरू किया जाए. कम से कम एक और शौचालय का निर्माण किया जाए.

3) सेक्टर 24 स्थित 'चन्द्रिका प्रसाद स्मारक सामुदायिक केंद्र' की मरम्मत की जाए. सामाजिक सरोकार रखने वाले कुछ सज्जन वहाँ बच्चों को पढ़ाते हैं. वहाँ कोई भी गंभीर हादसा हो सकता है.

वरिष्ठ अधिवक्ता ओपी शर्मा को बार ने किया सम्मानित

फरीदाबाद (म मो) पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट बार काउंसिल के पूर्व वाइस चेयरमैन एवं वरिष्ठ अधिवक्ता ओपी शर्मा के वकालत के क्षेत्र में बेमिसाल 50 साल पूरे होने पर आज जिला बार एसोसिएशन द्वारा उनके सम्मान में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इसमें जिला एवं सत्र न्यायाधीश वाईएस राठौर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमृत सिंह चालिया, विद्वान न्यायाधीश राजेश भाकड़, न्यायधीश नरेंद्र शर्मा, फैमिली कोर्ट की न्यायधीश यशिका यादव, फरीदाबाद बार एसोसिएशन के पदाधिकारी, पलवल बार एसोसिएशन के पदाधिकारी व सैकड़ों की तादाद में धार्मिक सामाजिक एवं पत्रकार जगत से जुड़े लोगों ने चिन्ह भेंट व शाल ओढ़ाकर अभूतपूर्व स्वागत किया।

वरिष्ठ अधिवक्ता शर्मा ने संवाददाता को बताया कि यह जो सम्मान मिल रहा है इसका आभार प्रकट करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं है । मैंने बीते 50 वर्षों में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन ऐसे समय में मेरे साथी मेरे साथ खड़े रहे हैं । कहते हैं कि बूरे वक्त में साया भी साथ छोड़ जाता है उस वक्त में भी मेरे साथी मेरे साथ पूरी मजबूती के साथ खड़े रहे हैं। आगे मेरी यही इच्छा है कि साथियों व समाज की सेवा में लगा रहूं । ईश्वर मुझे इतनी शक्ति दे और मैं यथाशक्ति सेवा करता रहूं। इस दौरान उन्होंने अपने जूनियर साथियों के लिए कहा कि वे लोग भी ईमानदारी एवं सिन्सियर्टी से इंटीग्रिटी के साथ मेहनत करेंगे तो वह भी इस स्टेज पर निश्चित तौर पर पहुंचेंगे। कोई ताकत नहीं रोक सकती जरा सिन्सियर्ली मेहनत कर ले और उनके पास जो भी काम आता है उसे अजस्टिफाई करें जीत हार का फैसला तो ईश्वर और जज के हाथ में होता है। लेकिन उनकी मेहनत इतनी होनी चाहिए, इतनी तैयारी होनी चाहिए, कि जज को यह पता हो कि यह वकील साहब पूरी तैयारी करके आए हैं।

इस अवसर पर ब्रह्मदत्त जी ने कहा कि ओपी शर्मा जी ने जब प्रैक्टिस शुरू की थी तबसे पारिवारिक संबंध है वह बहुत ही समझदार संजीदा और द्यड्डद्ब के तो एक्सपर्ट मानिए ऐसे एडवोकेट है और सामाजिक कार्यों में भी बहुत दिलचस्पी लेते हैं। चाहे वह सामाजिक याअअ धार्मिक हो वहां ओपी शर्मा जी का 1 नाम है । मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं मेरी शुभकामनाएं हैं कि वह स्वस्थ रहें और इसी तरीके से समाज के लिए धार्मिक संस्थाओं के लिए काम करते रहें और लोगों की मदद करते रहें। खासतौर से जो जूनियर एडवोकेट हैं।